



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 90]  
No. 90]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 7, 2005/चैत्र 17, 1927  
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 7, 2005/CHAITRA 17, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 2005

**विषय :**—चीन जनवादी गणराज्य तथा यूक्रेन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विस्कस फिलामेंट यार्न के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करना।

सं. 14/23/2004-डीजीएंडी.— भारतीय मानव निर्मित फाइबर उद्योग एसोसिएशन (एएमएफआईआई) ने अपने सदस्यों, मै. एनआरसी लि., मै. केसोराम इंडस्ट्रीज तथा मै. इंडियन रेयॉन एवं उद्योग लि. के माध्यम से 1995 के सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन, संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक याचिका प्रस्तुत की है जिसमें चीन जन. गण. और यूक्रेन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विस्कस फिलामेंट यार्न के पाटन का आरोप लगाया गया है तथा पाटनरोधी जांच शुरू करने और पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

## 1. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद 150 डेनियर्स तक (जिसमें  $\pm 4\%$  तक अनुमत्य उतार-चढ़ाव शामिल है) विस्कस रेयॉन फिलामेंट यार्न है, जो सिलाई के धागों के अतिरिक्त है तथा इसमें 67 डेसिटेक्स से कम का मोनो फिलामेंट शामिल है, जिन्हें विस्कस फिलामेंट यार्न, वीएफवाई, रेयॉन फिलामेंट यार्न, आर्ट सिल्क यार्न, सेल्यूलोस यार्न अथवा रेयॉन यार्न के नाम से भी जाना जाता है तथा इसमें वीएफवाई इत्यादि के रंगे गए यार्न, फ्लैट यार्न, माइक्रोफिलामेंट, माइक्रो यार्न, टिक्टेड यार्न, दोहरे/बहुविध प्लाई यार्न (जिन्हें इसके पश्चात संबद्ध उत्पाद भी कहा जाएगा) इत्यादि 100% विस्कस यार्नों से निर्मित सभी यार्न शामिल हैं।

विस्कस रेयॉन फिलामेंट यार्न, प्राकृतिक नवीकृत किए जा सकने वाले संसाधनों अर्थात् लकड़ी के गूदे से उत्पादित एक पुनरुत्पादित सेल्यूलोसिक यार्न है। समान उत्पादन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्री, संयंत्र एवं उपकरणों से विभिन्न प्रकार के वीएफवाई का उत्पादन किया जाता है जो समान प्रकार के सामान्य कार्य करते हैं। यद्यपि उत्पाद को प्रौद्योगिकी (सीएसवाई/पीएसवाई), डेनियर, चमक, रंग, टिक्स्टिंग, डबलिंग के अनुसार समूहों में बांटा गया है, परंतु विभिन्न प्रकार के वीएफवाई के बीच काफी अधिक प्रतिस्थापनीयता होने के कारण इन विभिन्न प्रकारों में वीएफवाई की

समान मूल विशेषता होती है। संबद्ध वस्तुओं को सीमाशुल्क उपशीर्ष 54033100, 54033200, 54033300, 54034110, 54034120, 54034130, 54034140, 54034150, 54034160, 54034170, 54034180 तथा 54034190 के तहत वर्गीकृत किया गया है। इस बात की परवाह किए बिना कि उनका आयात किस वर्गीकरण के तहत किया जा रहा है, विचाराधीन उत्पाद के संबंध में जांच की शुरुआत की जा रही है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है तथा किसी भी प्रकार से इन जांचों के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं हैं। उत्पाद में वीएफवाई के सभी प्रकार शामिल हैं जब तक कि उन्हें विनिर्दिष्ट रूप से अलग न किया गया हो जैसे कि टिंक्स्टेड/अनटिंक्स्टेड/चपटे, उज्ज्वल/फीके/केबलड (अथवा उसके प्रकार), रंगीन/रंगे गए (अथवा उसके प्रकार) जो विस्कस के सही आकार वाले यार्न हों अथवा नहीं, परंतु इसमें सीमाशुल्क उपशीर्ष 5403.10 (जिसकी संसक्ति 2.2 जीपीडी से अधिक है), के तहत वर्गीकृत किए जाने योग्य विस्कस के उच्च संसक्ति वाले यार्न, 5403.20 के तहत वर्गीकृत किए जाने योग्य विस्कस के टेक्सचर्ड यार्न, सीमाशुल्क उपशीर्ष 5502 के तहत वर्गीकृत किए जाने योग्य विस्कस रेयॉन टो, सभी नकली यार्न जिसमें विस्कस फिलामेंट नहीं है अथवा जिसमें विस्कस फिलामेंट तथा अन्य का संयोजन है, शामिल नहीं है।

## 2. घरेलू उद्योग की स्थिति

याचिका भारतीय मानव-निर्मित फाइबर उद्योग की एसोसिएशन (एएमएफआईआई) द्वारा दायर की गई है। एनआरसी लि०, केसोराम इंडस्ट्रीज लि० तथा इंडियन रेयॉन एंड इंडस्ट्रीज लि०, समान वस्तु के उत्पादक हैं। एएमएफआईआई के सदस्यों ने वर्तमान जांच के लिए संगत सूचना उपलब्ध कराई है तथा प्रस्तावित जांचों में हिस्सा लेने के संबंध में सहमति प्रदान की है। भारतीय उत्पादन में इन कम्पनियों के उत्पादन का हिस्सा 50% से अधिक है। मै० सेंचुरी रेयॉन (सेंचुरी टेक्सटाइल एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड का एक प्रभाग) तथा मै० बड़ौदा रेयॉन कॉर्पोरेशन लि० भारत में समान वस्तु के अन्य उत्पादक हैं तथा वर्तमान याचिका को समर्थन प्रदान किया है। प्राधिकारी ने निर्धारित किया है कि (क) भारतीय उत्पादन में तीन याचिकाकर्ता कम्पनियों के उत्पादन, का एक प्रमुख हिस्सा है; (ख) घरेलू उत्पादक, याचिका में उल्लिखित तथ्य का स्पष्ट रूप से समर्थन कर रहे हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान उत्पाद कुल उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक है; तथा (ग) याचिका घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से दायर की गई है। प्राधिकारी ने उपर्युक्त की जांच के पश्चात यह निर्धारित किया है कि नियम 2(घ) के साथ पठित नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग है तथा उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(3) (क) के संदर्भ में याचिका दायर करने हेतु मानदण्डों को पूरा करते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसे कई छोटे उत्पादक हैं जो भारतीय उत्पादकों अथवा आयातों के माध्यम से प्राप्त वीएफवाई के संबंध में वृद्धिकारी कार्यकलाप कर रहे हैं। प्राधिकारी का मानना है कि इस बात की परवाह न करते हुए कि वृद्धिकारी कार्यकलाप करने वाले लघु उत्पादकों के उत्पादन को भारतीय उत्पादन में शामिल किया जा रहा है अथवा नहीं, याचिका नियमावली के अधीन अपेक्षित मानदण्डों को पूरा करती है।

## 3. शामिल देश

वर्तमान जांच में शामिल देश चीन गन.गण. तथा यूक्रेन (जिन्हें तत्पश्चात संबद्ध देश भी कहा गया है) हैं।

#### 4. समान वस्तु

याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तु में कोई विशेष अंतर नहीं है। याचिकाकर्ता दावा करते हैं कि दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रीति से प्रतिस्थापनीय है। अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ, याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित वस्तुओं को उपर्युक्त नियम के अर्थों के भीतर संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद के समान वस्तु माना जा रहा है।

#### 5. सामान्य मूल्य

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि चीन जन.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था माना जाना चाहिए तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 एवं 8 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने भारत में उचित रूप से समायोजित उत्पादन लागत, जिसमें बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय का उचित लाभ शामिल है, पर विचार करके सामान्य मूल्य का दावा किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. तथा यूक्रेन से संबद्ध वस्तु के लिए दावा किए गए सामान्य मूल्य के पर्याप्त साक्ष्य हैं।

#### 6. निर्यात कीमत

याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के लिए डीजीसीआई एंड एस तथा आईबीआईएस (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आसूचना प्रणाली) द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदेवार आयात आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत का दावा किया है। कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा और निर्यात के देश में अंतर्राष्ट्रीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभारों के संबंध में समायोजनों का दावा किया गया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के लिए दावा की गई निर्यात कीमत के पर्याप्त साक्ष्य हैं।

#### 7. पाटन मार्जिन

इस बात के प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य कारखाना द्वार निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे इस बात का प्रथम दृष्टया संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

#### 8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

याचिकाकर्ताओं ने घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति तथा वास्तविक क्षति के खतरे के संबंध में विभिन्न मापदण्डों के बारे में सूचना उपलब्ध कराई है। संबद्ध देशों से आयातों की समग्र मात्रा में वृद्धि, कुल आयातों में संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि, वस्तुसूची में उल्लेखनीय वृद्धि, घरेलू

बिक्री कीमत में अत्यधिक गिरावट, लाभ में अत्यधिक ह्रास, नकद प्रवाह तथा निवेश पर आय, कीमत कटौती तथा प्रथम दृष्टया कीमत ह्रास, जैसे मानदण्डों से सामूहिक एवं संचयी रूप से यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई वास्तविक क्षति के खतरे के संबंध में अपने दावे के समर्थन में, समग्र अर्थों में तथा कुल आयातों के संदर्भ में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की आयात मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि, संबद्ध देशों से अत्यधिक कीमत कटौती, संबद्ध देशों से मौजूदा पर्याप्त क्षमताओं जैसे कारकों के विषय में दावा किया गया है।

#### 9. पाटनरोधी जांच का आरंभ

उपर्युक्त पैराग्राफों को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी, संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटनरोधी जांच आरंभ करते हैं।

#### 10. जांच की अवधि

वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 जनवरी, 2004 से 31 दिसम्बर, 2004 तक (12 महीनों) की है।

#### 11. सूचना देना

संबद्ध देशों के निर्यातकों तथा इस जांच से संबद्ध भारत के ज्ञात आयातकों को अलग-अलग सूचित किया जा रहा है कि वे निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से संगत सूचना निम्नलिखित पते पर प्रस्तुत करें -

निर्दिष्ट प्राधिकारी,  
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय,  
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय  
वाणिज्य विभाग  
भारत सरकार, कमरा सं. 243  
उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011

उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(5) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी जांचाधीन वस्तु के औद्योगिक प्रयोक्ताओं तथा प्रतिनिधिक उपभोक्ता संगठनों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मकता के संबंध में जांच से संगत सूचना उपलब्ध कराने का अवसर भी प्रदान कर रहे हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गई समयावधि के भीतर जांच से संगत अपने निवेदन प्रस्तुत कर सकती है।

**12. समय - सीमा**

वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपर्युक्त पते पर, निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर सूचना देनी होगी। यह नोट किया जा सकता है कि निर्धारित समय-सीमा में विस्तार के संबंध में किसी प्रकार के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

**13. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण**

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं। यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है या जांच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकता है तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकता है।

डॉ० क्रिस्टी फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

**INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 7th April, 2005

**Subject :—Initiation of Anti-dumping Investigations concerning import of Viscose Filament Yarn originating in or exported from China PR and Ukraine.**

**No. 14/23/2004-DGAD.**—The Association of Man Made Fibre Industry of India (AMFII) through its members M/s. NRC Ltd., M/s. Kesoram Industries and M/s. Indian Rayon & Industries Ltd., has filed a petition before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 alleging dumping of Viscose Filament yarn originating in or exported from China PR and Ukraine and has requested for initiation of anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duties.

**1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

The product under consideration in the present investigation is Viscose Rayon Filament Yarn upto 150 deniers (and +- 4% permissible variation thereof), other than sewing thread, including mono filament of less than 67 decitex also known as viscose filament yarn, VFY, Rayon Filament Yarn, Art Silk Yarn, Cellulose Yarn or Rayon Yarn and includes all yarns made of 100% viscose yarns such as dyed yarn, flat yarn, microfilament microyarn, twisted yarn, doubled/ multiple ply yarn etc of VFY (also referred to as subject goods herein after).

1155 GI/05—2

Viscose rayon filament yarn is a regenerated cellulosic yarn which is produced from natural renewable resources i.e wood pulp. Different types of VFY are produced from the same production technology, manufacturing process, raw materials, plant & equipment and perform the same general purpose. Even though the product has been grouped into types according to technology (CSY/PSY), denier, luster, color, twisting, doubling, these different types contain the same basic characteristic of VFY as there is a great amount of substitutability between different types of VFY. The subject goods are classified within Customs subhead 54033100, 54033200, 54033300, 54034110, 54034120, 54034130, 54034140, 54034150, 54034160, 54034170, 54034180, and 54034190. Investigations are being initiated with respect to product under consideration irrespective of the classification under which they are being imported. Customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of these investigations. The product includes all variants of VFY unless specifically excluded, such as twisted/untwisted/flat, bright/dull (or variants thereof), coloured/dyed (or variants thereof), multiple/folded/cabled (or variants thereof), whether or not sized yarn of viscose, but *excludes* high tenacity yarn of viscose classifiable under customs sub-heading 5403.10 (having tenacity beyond 2.2 gpd), textured yarn of viscose classifiable under 5403.20, viscose rayon tow classifiable under customs sub-heading 5502, all artificial yarns not having viscose filaments or having a combination of viscose filaments and other filaments.

## **2. DOMESTIC INDUSTRY STANDING**

The application has been filed by the Association of Man-Made Fibre Industry of India (AMFII). NRC Ltd., Kesoram Industries Ltd. and Indian Rayon & Industries Limited are producers of the like article, members of AMFII, have provided information relevant to the present investigations and have consented to participate in the proposed investigations. The production of these companies constitutes more than 50 % of Indian Production. M/s Century Rayon (A Division of Century Textiles & Industries Ltd.) and M/s Baroda Rayon Corporation Ltd. are other producers of the like article in India and have supported the present petition. The Authority has determined that (a) production of the three petitioner companies constitute a major proportion in Indian production; (b) domestic producers expressly supporting the application account for more than 50 per cent of total production of the like product produced by the domestic industry; and (c) the application has been made by or on behalf of the domestic industry. The Authority after examining the above, determines that the petitioners constitutes a domestic Industry within the meaning of the rule 2(b) read with 2(d) and it satisfies the criteria of standing to file the petition in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules *supra*.

The Authority notes that there are a number of small scale producers engaged in carrying out incremental activities on VFY sourced either from the Indian Producers or through imports. The Authority holds that regardless of whether or not production by these small scale producers carrying out incremental activities is included in Indian Production, petition satisfies standing requirements under the Rules.

### **3. COUNTRIES INVOLVED**

The countries involved in the present investigation are China PR and Ukraine (hereinafter also referred to as subject countries).

### **4. LIKE GOODS**

The petitioners have claimed that goods produced by it are like articles to the goods originating in or exported from subject countries. There is no significant difference in the subject goods produced by the petitioner and those exported from subject countries. Petitioner claims that the two are technically and commercially substitutable. Therefore, for the purpose of present investigation, the goods produced by the petitioner are being treated as Like Articles of the product imported from the subject countries within the meaning of the Rules, supra.

### **5. NORMAL VALUE**

The Petitioners have claimed that China PR and Ukraine have to be treated as a non-market economy and normal value has to be determined in accordance with the Para 7 and 8 of Annexure I of the Anti Dumping Rules. The petitioners have claimed normal value considering cost of production in India, duly adjusted including selling, general and administrative overheads and reasonable profit. The authority notes that there is sufficient evidence of the Normal value claimed for the subject goods from China PR and Ukraine.

### **6. EXPORT PRICE**

The Petitioners have claimed the export price of the subject goods from the subject countries based on the transaction wise import data provided by the DGCI&S and IBIS (International Business Information System). Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, and inland transportation in the country of exports, port handling and port charges to arrive at the Export Price at ex-factory level. There is sufficient evidence of the export price claimed for the subject goods from subject countries.

**7. DUMPING MARGIN**

There is, prima facie, evidence that the Normal Value of the subject goods in the subject countries is significantly higher than the ex-factory export price indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by exporters from the subject countries.

**8. INJURY AND CAUSAL LINK**

The Petitioners have furnished information on various parameters relating to material injury and threat of material injury to the domestic industry. Parameters such as increase in the absolute volume of imports from the subject countries, increase in the market share of imports from the subject countries in total imports, significant increase in inventories, significant decline in the domestic selling price, significant deterioration in profits, cash flow and return on investment, price undercutting, and price depression prima facie, indicate collectively and cumulatively that the domestic industry has suffered material injury on account of dumping of subject goods from subject countries. Factors such as significant increase in import volumes of subject goods from subject countries in absolute terms and in relation to total imports, significant price undercutting from subject countries, significant capacities in the subject countries have been claimed in support of their claim of threat of material injury on account of dumped imports from subject countries.

**9. INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATIONS**

The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

**10. PERIOD OF INVESTIGATION**

The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1<sup>st</sup> January 2004 to 31<sup>st</sup> December 2004 (12 months).

**11. SUBMISSION OF INFORMATION**

The exporters in the subject countries and the importers in India known to be concerned with this investigation are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties, Ministry of Commerce & Industry, Department of Commerce, Government of India, Room No. 243, Udyog Bhavan, New Delhi – 1100 11.



As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation, and to representative consumer organizations who can furnish information which is relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

## **12. TIME LIMIT**

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately. It may be noted that no request, whatsoever, shall be entertained for extension in the prescribed time limit.

## **13. INSPECTION OF PUBLIC FILE**

In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

Dr. CHRISTY FERNANDEZ, Designated Authority

1155 GI/05—3